FD-2094

B.A. (Part-I) Examination, 2022

HINDI LITERATURE

Paper - II

हिन्दी कथा साहित्य

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) ''रूदन में कितना उल्लास, कितनी शांति, कितना बल है। जोकमी एकांत में बैठकर किसी की स्मृति, किसी के वियोग में सिसक-सिसक कर और बिलख-बिलख कर नहीं रोया, वह जीवन में ऐसे सुख से वंचित है जिस पर सैकड़ों हँसियाँ न्यौछावर है। हँसी

के बाद मन खिन्न हो जाता है, आत्मा क्षुब्द हो जाती है। रूदन के पश्चात् एक नवीन स्फूर्ति, एक नवीन जीवन, एक नवीन उत्साह का अनुभव होता है।''

अथवा

''वह इतनी विचारशील है, उसने अनुमान ही न किया था। वह उसे वास्तव में रमणी ही समझता था। अन्य पुरुषों की भाँति वह भी पत्नी को इसी रूप में देखता था। वह उसके यौवन पर मुग्ध था। उसकी आत्मा का स्वरूप देखने की कमी चेष्टा ही न की। शायद वह समझता था इसमें आत्मा है ही नहीं। अगर वह रूप-लावण्य की राशि ना होती तो कदाचित वह उससे बोलना भी पसंद न करता। उसका सारा आकर्षण, उसकी सारी आसक्ति केवल उसके रूप पर थे।''

(ख) ''विचित्र जीवन था इनका! घर में मिट्टी के दो चार बर्तनों के सिवा कोई भी संपत्ति नहीं। फटे चिथड़ों से अपनी नग्नता को ढाँके हुए जिए जाते थे। संसार की चिंताओं से मुक्त। कर्ज से लदे हुए। गालियाँ भी खाते, मार भी खाते, मगर कोई गम नहीं। दीन

इतने की वसूली की बिल्कुल आशा ना रहने पर भी लोग इन्हें कुछ न कुछ कर्ज दे देते थे।''

अथवा

''यंपा! मैं ईश्वर को नहीं मानता, मैं पाप को नहीं मानता, मैं दया को नहीं समझ सकता, मैं उस लोक में विश्वास नहीं करता पर मुझे अपने हृदय में एक दुर्बल अंश पर श्रद्धा हो चली है। तुम न जाने कैसे बहकी हुई तारिका के समान मेरे शून्य में उदित हो गई हो। आलोक की एक कोमल रेखा इस निबिक तम में मुस्कुराने लगी। पशु बल और धन के उपासक के मन में किसी शांत आर कांत कामना की हँसी खिलखिलाने लगी पर मैं न हँस सका।''

(ग) चोर से ज्यादा फिक्र थी आबरू की। किबाड़ न रहने पर्दा ही आबरू का रखवाला था। वह पर्दा भी तार-तार होते-होते एक रात आँधी में किसी भी हालत में लटकने लायक ना रह गया। दूसरे दिन घर की एकमात्र पुश्तैनी चीज दरी दरवाजे पर लटक गई।

अथवा

जले हुए किवाड़ का वह चौखट मलबे में से सिर निकाले साढ़े साल खड़ा तो रहा था, पर उसकी लकड़ी बुरी तरह भुरभुरा हो गई थी। गनी के सिर के छूने से उसके कई रैशे झड़कर आसपास बिखर गए। कुछ रेशे गनी की टोपी और बालों पर आ गए। उन रेशों के साथ एक केंचुआ भी नीचे गिरा जो गनी के पैर से छः-आठ इंच दूर नाली के साथ-साथ बनी ईंटों की पटरी पर इधर-उधर सरसराने लगा। वह छिपने के लिए सुराख ढूँढता हुआ जरा-सा सिर उठाता, पर कोई जगह न पाकर एक दो बार सिर पटकने के बाद दूसरी तरफ मुड़ जाता।

2. 'गबन' एक समस्या मूलक सामाजिक उपन्यास है। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

उपन्यास तत्वों के आधार पर 'गबन' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

3. 'कफन' कहानी की कथावस्तु लिखिए।

अथवा

हिंदी कहानी के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) उपन्यास और कहानी में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'आकाशदीप' कहानी का केन्द्रीय भाव लिखिए।

(ग) शिवानी का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(घ) 'जली हुई रस्सी' कहानी का सारांश लिखिए।

(ङ) 'सिरचन' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(च) कहानी के कितने तत्व होते हैं?

(छ) 'चीफ की दावत' कहानी के संवाद की विशेषता बताइए।

5. निम्नांकित में से किन्हीं **पंद्रह** प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए :

(क) माधव किस कहानी का पात्र है?

(ख) 'गबन' उपन्यास की प्रधान समस्या क्या है?

(ग) शिवानी के किसी एक कहानी संग्रह का नाम लिखिए।

(घ) 'जालपा' को किससे प्रेम था?

(ङ) 'आकाशदीप' कहानी की नायिका का क्या नाम है?

(च) 'गदल' किसकी रचना है?

(छ) मुंशी प्रेमचंद का वास्तविक नाम क्या है?

(ज) 'मोहन राकेश' की कहानी का नाम लिखिए।

(झ) 'बैगन का पौधा' किसकी रचना है?

(ञ) 'गबन' उपन्यास की नायिका जालपा के पिता का नाम क्या है?

(ट) 'रक्खे पहलवान' किस कहानी का पात्र है?

(ठ) 'शीतलपाटी' बनाने वाले कलाकार का नाम लिखिए।

(ड) उपेन्द्रनाथ अश्क का जन्म कब हुआ था?

(ढ) 'पंचामृत' किस रचनाकार की प्रथम रचना है?

(ण) भारत-पाकिस्तान विभाजन की त्रासदी पर आधारित कहानी का नाम लिखिए।

(त) 'जली हुई रस्सी' के लेखक का नाम लिखिए।

(थ) 'घीसू' किस कहानी का पात्र है?

(द) जालपा ने शतरंज का नक्शा कहाँ प्रकाशित कराया था?

———